

- ΗΦ.** ἄραρεν ἦδε γ' ὠλένη δυσκλύτως. 60  
**ΚΡ.** καὶ τήνδε νῦν πόρπασον ἀσφαλῶς, ἵνα  
 μάθῃ σοφιστῆς ὧν Διὸς νωθέστερος.  
**ΗΦ.** πλὴν τοῦδ' ἂν οὐδεὶς ἐνδίκως μέμψαιτό μοι.  
**ΚΡ.** ἀδαμαντίνου νῦν σφηνὸς αὐθάδη γνάθου  
 στέρνων διαμπὰξ πασσάλειν ἐρῶμένως. 65  
**ΗΦ.** αἶ, αἶ, Προμηθεῦ, σῶν ὑπερστένω πόνων.  
**ΚΡ.** σὺ δ' αὖ κατοκνεῖς, τῶν Διὸς τ' ἐχθρῶν ὑπερ-  
 στένεις; ὅπως μὴ σαυτὸν οἰκτιεῖς ποτέ.  
**ΗΦ.** ὄρας θεάμα δυσθέατον ὄμμασιν.  
**ΚΡ.** ὄρω κρυοῦντα τόνδε τῶν ἐπαξίων. 70  
 ἀλλ' ἀμφὶ πλευραῖς μασχαλιστῆρας βάλει.  
**ΗΦ.** δρᾶν ταῦτ' ἀνάγκη, μηδὲν ἐγκέλευ' ἄγαν.  
**ΚΡ.** ἢ μὴν κελεύσω, καπιθωῦξω γε πρὸς.  
 χῶρει κάτω, σκέλη δὲ κίρκωσον βία.

κίσει τῶν χρημάτων, εὔρει πόρους. Mirum est neminem adhuc existisse qui Alciphronem corrigeret; Ep. I. 8. p. 30. οὗτοί με κρινωνόν ἐθέλουσι λαβαῖν τοῦ τολμήματος, πόρους ἐκ πόρων εὐμεγέθεις ὑπισχνούμενοι. Lege, πόρους ἐξ ἀπόρων, supra enim dixerat Eucolymbus, τὰ ἡμέτερα, ὡς οἶσθα, παντελῶς ἐστὶν ἄπορα καὶ βίος νομιδῆ στενός. Aristarchus ap. Stob. LXIII. p. 387. = 241. de Amore, οὗτος γὰρ ὁ θεὸς καὶ τὸν ὀσθενῆ σθένειν Τίδησι, καὶ τὸν ἄπορον εὐρίσκειν πόρον, ubi mallem πόρους.

60. Scholiasta Barocc. in Soph. Elect. 147. δυσκωλύτως. Error a suprascripto ε ortus, quae littera, si paullo reclinet, ω fiet: ab eadem causa depravatus est v. 932. ubi γάμω pro μέγα irrepserat. "ἄρησεν Joann. Diacon. in Hesiod. Scut. p. 211. Sed ἄραρεν δυσκωλύτως Scholiastes a Johnsono editus ad Soph. El. 147." R. P. Confer Suppl. 941.

62. νωθέστερος Διὸς Rob. et mox πλὴν τοῦτ'.

64. 65. Citat Scholiasta Aristoph. Ran. 826.

66. ὑπερστένω. Anastrophe figura: conf. Soph. Antig. 82. Aj.

225. 1310. Eurip. Med. 105. Hippol. 261, et apud Lycurg. in Leocrat. ubi duas praepositiones rariore modo conjungit, ἐξὸν πρὸ πάντων μίαν ὑπερδοῦναι θανεῖν. [Plutarchus T. I. p. 210. B. προκινδυνεύουσα ὑπὲρ τῆς ἐκείνων ἐλευθερίας. ED. LIPS.]

67. σὺ δ' οὖν Colb. 1. κατ' ὀνεῖς Ald. ὑπερ-στένεις Turn. quam disjunctionem in senariis Tragicorum non licere monet Porsonus ad Hecub. 725. οὖν pro αὖ MSS. aliqui.

68. Citat Thom. M. v. Μῆ.

71. Ad hunc locum provocat Thom. M. v. Μάλη.

73. ἢ μὲν hic et in v. 174. legit Scholiasta B. σε πρὸς F. K. Rob. δὲ N. Colb. 1. Porsonus in Phoen. 619. καὶ κατακτενῶ γε πρὸς contra Brunckium, σε ex membranis reponentem, tuetur, atque hunc locum advocat.

74. δὲ σκέλη κίρκωσον Rob. κίρκωσον etiam C. D. E. F. Φ. Scholiasta B. Prometheus, ut videtur, in rupis fissura crucifixus est, dissentis manibus pedibusque ex hac in illam partem. Lucianus, qui nostrum respicit, ait, κατὰ μέσον ἐνταῦθά που ὑπὲρ τῆς φάραγγος